भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-2470
उत्तर देने की तारीख-03/08/2026

उच्च शिक्षण संस्थानों में कौशल विकास एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का एकीकरण

2470. श्री दर्शन सिंह चौधरी:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि**:**

(क) क्या सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के प्रावधानों के अनुरूप उच्च शिक्षण संस्थानों (एचईआई) में कौशल विकास तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को नियमित शैक्षणिक कार्यक्रमों के साथ एकीकृत करने के लिए कोई व्यापक कार्ययोजना कार्यान्वित कर रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में कौशल-आधारित तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के एकीकरण, उद्योगों के साथ साझेदारी, इंटर्नशिप, प्रशिक्षुता तथा शैक्षणिक क्रेडिट आधारित कौशल कार्यक्रमों के संबंध में हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है; और
(ग) क्या सरकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ड्रोन, रोबोटिक, साइबर सुरक्षा, आँकड़ा विश्लेषण, हरित प्रौद्योगिकी तथा अन्य उभरते क्षेत्रों से संबंधित कौशल पाठ्यक्रमों को उच्च शिक्षा में व्यापक रूप से सम्मिलित करने तथा उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप पाठ्यक्रमों को नियमित रूप से अद्यतन करने के लिए कोई विशेष पहल कर रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (ग): राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 में समग्र, बहु-विषयक और लचीली उच्चतर शिक्षा को बढ़ावा दिया गया है, जिससे छात्रों को एक ही विषय से हटकर ज्ञान और कौशल प्राप्त करने और विविध शैक्षिक और व्यावसायिक माध्यमों को अपनाने में सक्षम बनाया जाता है। इसमें स्नातक और स्नातक कार्यक्रमों में व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण की परिकल्पना की गई है। (एनईपी), 2020 के अनुरूप, उच्चतर शिक्षण संस्थाओं (एचईआई) में नियमित शैक्षणिक कार्यक्रमों के साथ कौशल विकास और व्यावसायिक शिक्षा को एकीकृत करने के लिए विभिन्न उपाय किए गए हैं। नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क (एनसीआरएफ), राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा

अर्हता ढांचा (एनएचईक्यूएफ), एकेडेमिक क्रेडिट बैंक (एबीसी) और मल्टीपल एंट्री एंड मल्टीपल एग्जिट प्रावधान अकादमिक, व्यावसायिक और अनुभवात्मक शिक्षा के एकीकरण, संचय और हस्तांतरण का प्रावधान करते हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने ज्ञान अधिग्रहण और कुशल मानव क्षमताओं और आजीविका के उन्नयन के लिए सामुदायिक कॉलेजों, बी.वोक डिग्री कार्यक्रमों और दीन दयाल उपाध्याय केंद्रों के माध्यम से कौशल आधारित शिक्षा में सहयोग किया है। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) और यूजीसी ने अपने-अपने डोमेन के तहत उच्चतर शिक्षा कार्यक्रमों के लिए शिक्षुता-आधारित डिग्री कार्यक्रम (एईडीपी), वर्ष 2025 के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रशिक्षण योजना (एनएटीएस) का कार्यान्वयन उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय द्वारा मुंबई, कानपुर, चेन्नई और कोलकाता में स्थित प्रशिक्षुता प्रशिक्षण/व्यावहारिक प्रशिक्षण (बीओएटी/बीओपीटी) के चार क्षेत्रीय बोर्डों के माध्यम से किया जाता है। इस योजना का उद्देश्य भारतीय युवाओं को नौकरी संबंधी प्रशिक्षण और कौशल प्रदान करना है। यह स्नातक/डिप्लोमा धारकों को उनके पाठ्यक्रम पूरा होने के पांच वर्षों के भीतर और प्रशिक्षुता-आधारित डिग्री कार्यक्रम (एईडीपी) के छात्रों को प्रशिक्षुता संबंधी प्रशिक्षण प्रदान करता है। एनएटीएस के तहत, अब तक एईडीपी कार्यान्वयन के लिए एचईआई के साथ ~457 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

अनुमोदन प्रक्रिया पुस्तिका (एपीएच) वर्ष 2024-2027 के तहत, एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित मौजूदा संस्थाओं को अपनी मौजूदा अवसंरचना का उपयोग करके व्यावसायिक और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) पाठ्यक्रम संचालित करने की अनुमति है, जो एपीएच के लागू प्रावधानों के अधीन है। कौशल विश्वविद्यालय उच्चतर शिक्षा के साथ व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण की सुविधा प्रदान कर रहे हैं। एनसीवीईटी (राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद) द्वारा पांच कौशल विश्वविद्यालयों को पुरस्कृत निकायों के रूप में मान्यता दी गई है। यह उन्हें एनएसक्यूएफ-अनुकूलित योग्यता प्रदान करने, राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त कौशल प्रमाण पत्र प्रदान करने और राष्ट्रीय क्रेडिट रूपरेखा (एनसीआरएफ) के तहत क्रेडिट-आधारित माध्यमों को कार्यान्वित करने में सक्षम बनाता है, जिससे व्यावसायिक और उच्चतर शिक्षा के बीच निर्बाध गतिशीलता को बढ़ावा मिलता है।

एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित कार्यक्रमों में अनिवार्य इंटर्नशिप, औद्योगिक प्रशिक्षण, परियोजना कार्य और अनुभवात्मक शिक्षा प्रदान की जाती है। एआईसीटीई ने पाठ्यक्रम विकास, संकाय प्रशिक्षण, इंटर्नशिप, नवाचार और उद्यमिता के लिए उद्योगों और संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) के माध्यम से उद्योग-संस्थान समन्वय को बढ़ावा दिया है। इसके अलावा, अनुभवात्मक शिक्षा, नवाचार, डिजाइन थिंकिंग और उत्पाद विकास को बढ़ावा देने के लिए 424 एआईसीटीई आईडीईए प्रयोगशालाओं की स्थापना की गई है। नवाचार, उद्यमिता और स्टार्ट-अप संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए संस्थान के नवाचार परिषद (आईआईसी) पारिस्थितिकी तंत्र को भी मजबूत किया गया है। उद्योगों के सहयोग और प्रशिक्षुता-एकीकृत डिग्री कार्यक्रमों हेतु सहयोग के माध्यम से शिक्षुता के अवसरों को बढ़ावा दिया गया है। एनसीआरएफ और एबीसी के साथ जुड़े क्रेडिट-आधारित कौशल पाठ्यक्रम सीखने के लचीले

माध्यम प्रदान करते हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विश्वविद्यालयों को अपने पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में कौशल आधारित सूक्ष्म प्रमाण-पत्र प्रदान करने में सक्षम बनाया है। ये क्रेडिट-आधारित कौशल पाठ्यक्रम/माइक्रो-क्रेडेंशियल्स एनसीआरएफ के साथ जुड़े हुए हैं। कौशल विकास में सहयोग करने के लिए, स्वयम प्लस पोर्टल भी शुरू किया गया है, जो कार्यबल के कौशल को बढ़ाने और फिर से कुशल बनाने पर ध्यान केंद्रित करता है। कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) ने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) 4.0 के माध्यम से कौशल आधारित प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु मौजूदा अवसंरचना और संकाय आधार का लाभ उठाने के लिए केंद्रित प्रयास किए हैं। पीएमकेवीवाई 4.0 को उद्योग-प्रासंगिक, एनएसक्यूएफ-अनुकूलित नौकरी भूमिकाओं, भविष्य के कौशल और नौकरी के दौरान प्रशिक्षण के माध्यम से व्यावहारिक प्रदर्शन पर जोर देने के साथ एक मांग-संचालित योजना के रूप में डिजाइन किया गया है।

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स, साइबर सुरक्षा, रोबोटिक्स, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), ड्रोन प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन, अर्धचालक प्रौद्योगिकी, क्वांटम प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, रक्षा प्रौद्योगिकी और अन्य सीमांत क्षेत्रों से संबंधित विषयों को शामिल करके मॉडल पाठ्यक्रम को विकसित और समय-समय पर संशोधित किया है। तकनीकी प्रगति और उद्योग की बढ़ती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों, पेशेवर निकायों और सरकारी हितधारकों से बनी विशेषज्ञ समितियों के माध्यम से पाठ्यक्रम को अद्यतन किया जाता है। एनएटीएस के तहत, अब तक 75000 से अधिक प्रशिक्षुओं को एआई अप्रेंटिसशिप कार्यक्रम के तहत लाभान्वित किया गया है। स्वयम प्लस पोर्टल में 17 क्षेत्रों में 89 उद्योग भागीदारों से क्यूरेट किए गए 500 से अधिक पाठ्यक्रम विकसित किए गए हैं और एआई, डेटा विश्लेषक आदि जैसे उभरते क्षेत्रों के संबंध में प्रस्तुत किए गए हैं।

*****